

भक्ष्य वि. (तत्.) खाने योग्य, आहार, जो खाया जा सके, खाद्य।

भगंदर पुं. (तत्.) गुदावर्त के किनारे होने वाला फोड़ा जो फूटने पर नासूर हो जाता है।

भग पुं. (तत्.) 1. सूर्य 2. शिव का एक रूप 3. चंद्रमा 4. बारह आदित्यों में से एक 5. ईश्वर की विभूतियाँ 6. सौभाग्य 7. माहात्म्य, ऐश्वर्य, इच्छा 8. कांति 9. मोक्ष, धर्म 10. कीर्ति, गौरव, शक्ति 11. योनि 12. ज्यो. उत्तरा-फाल्गुनी नक्षत्र 13. धन, यत्न।

भगण पुं. (तत्.) 1. राशिमंडल, नक्षत्रमंडल, राशि चक्र में ग्रहों का पूरा चक्कर या भ्रमण 2. छंद शास्त्र में तीन वर्णों का समूह जिसमें क्रमशः गुरु, लघु, लघु वर्ण होते हैं।

भगत वि. (तद्.) 1. भक्त, भक्तिपूर्ण, भगवद्भजन में लगा रहने वाला 2. सेवक, उपासक जो तिलक आदि बाहरी चिह्न धारण करता हो 3. जो मांस-मछली खाना या शराब पीना पाप समझता हो पुं. 1. वैष्णव साधु 2. राजपूताना की एक जाति, भगतिया 3. होली में बनाया या खेला जाने वाला एक स्वाँग 4. मंत्र आदि से झाड़ू फूँक कर भूत-प्रेत बाधाएं आदि दूर करने वाला, ओझा।

भगतिया पुं. (देश.) गाने-बजाने का काम करने वाली राजस्थान की एक उप जाति।

भगदड़ स्त्री. (देश.) आतंकित होकर जानवरों, जन समूह या भीड़ के लोगों का घबराकर इधर-उधर भागना।

भगर पुं. (देश.) 1. छल, कपट, धोखा, आडंबर, ढोंग 2. ठग 3. जादूगरी 4. सड़ा हुआ अन्न।

भगवत् पुं. (तत्.) 1. ईश्वर, परमेश्वर, भगवान, परमात्मा 2. भगवान का, भगवान के जैसा।

भगवती स्त्री. (तत्.) 1. ऐश्वर्यवाली 2. पूज्य, सम्माननीय 3. देवी (दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती आदि)।

भगवदर्पण पुं. (तत्.) किसी वस्तु आदि को परमात्मा को समर्पण/अर्पण करना।

भगवदाश्रय वि. (तत्.) भगवान का आश्रय/सहारा, परमात्मा की शरण।

भगवदीय वि. (तत्.) 1. भगवान से संबंधित भगवान का 2. पुं. भगवान का भक्त, उपासक।

भगवद्गीता स्त्री. (तत्.) 1. कुरुक्षेत्र के महाभारत युद्ध में श्रीकृष्ण द्वारा मोहभ्रमित अर्जुन को युद्ध हेतु प्रवृत्त करने के लिए दिये गये उपदेशों का संकलन जिसमें 18 अध्याय एवं 700 श्लोक हैं 2. हिंदू धर्म का ज्ञान योग, कर्मयोग एवं भक्ति-योग शिक्षा का यह एक पवित्र ग्रंथ है टि. यह विशाल महाभारत ग्रंथ का एक अंश है, संक्षेप में इसे गीता भी कहा जाता है।

भगवान वि. (तत्.) 1. सत, चित्, आनंद से परिपूर्ण ईश्वर या ब्रह्म 2. ऐसे परमब्रह्म का कोई अवतार 3. पूज्य आदरणीय महिमा युक्त पुरुष या इनके लिए आदर सूचक शब्द के रूप में प्रयुक्त 4. रक्षक या तारनहार।

भागाना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी को भागने में प्रवृत्त करना 2. कुछ ऐसा काम करना जिससे कोई भाग जाए 3. दौड़ाना, खदेड़ना 4. स्त्री, बच्चे आदि को बहकाकर या चोरी से उठाकर बुरे उद्देश्य से ले जाना 5. दूर करना, हटाना 6. तेज रफ्तार से चलाना जैसे- गाड़ी।

भागिनी स्त्री. (तत्.) बहन, बहिन, अनुजा, सहोदरा।

भगीरथ पुं. (तत्.) 1. अयोध्या के एक सूर्यवंशी राजा जो गंगा नदी को स्वर्ग से पृथ्वी पर लाने में सफल हुए 2. कठिन परिश्रम करने वाला।

भगोड़ा वि. (देश.) 1. भागा हुआ व्यक्ति 2. विपत्ति से प्रतिद्वंद्वी से डर कर भागा व्यक्ति 3. हारकर या अपनी प्राण रक्षा के लिए रणभूमि से भागने वाला व्यक्ति 4. अपराध करके कानून की पकड़ से बचने के लिए छिप जाने वाला या भाग जाने वाला व्यक्ति 5. कारागार आदि से भागा हुआ अपराधी 6. कायर, डरपोक व्यक्ति 7. फरार व्यक्ति।

भगोपासना स.क्रि. (तत्.) 1. सूर्य के द्वादश रूपों में एक रूप भग है 2. तांत्रिक लोग स्त्री योनि